बुधवार
06 मार्च 2024

पृष्ठ 4

मेंटल हेल्थ सुधारनी है तो जमकर करें डांस

पृष्ठ 5

महारानी 3 में मेरा किरदार शांत लेकिन चुनौतीपूर्ण है : अनुजा साठे

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 40
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है।
– डॉ. विक्रम साराभाई

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- विधायक के व्यवहार से भाजपा असहज -

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से लगे कूड़े के ढेर

विशेष संवाददाता

देहरादून। बीते कल नगर निगम के सहायक आयुक्त को सल्ट के विधायक महेश जीना द्वारा हड़काये जाने और उनके साथ की गई अभद्रता का वीडियो वायरल होने से अब भाजपा में भी हड़कंप मचा हुआ है। भाजपा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन और संगठन स्तर पर इसकी जांच कराने की बात कही है। वहीं नगर आयुक्त के साथ एक जनप्रतिनिधि द्वारा अभद्रता करने के विरोध में आज सफाई व्यवस्था से जुड़े सभी

कर्मचारी और संगठनों द्वारा हड़ताल पर चले जाने से राजधानी की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है।

बीते कल एक टेंडर से एक कंपनी का नाम हटाए जाने की जानकारी लेने नगर निगम पहुंचे सल्ट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक महेश जीना और नगर आयुक्त के साथ तीखी नोंक झोंक

❑भट्ट बोलेः जांच करायेंगे, ऐसा व्यवहार ठीक नहीं

हुई। जिसे लेकर भारी बवाल खड़ा हो गया था। मुख्यमंत्री धामी ने कल ही इस मामले की जांच गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडे से कराने के आदेश दिए गए थे। लेकिन विधायक की अभद्रता से नाराज सफाई कर्मचारियों द्वारा आज से हड़ताल कर दी गई है सफाई कर्मियों की हड़ताल के कारण राजधानी दून में आज कूड़ा उठान का काम नहीं हुआ जिससे सड़कों पर जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि विधायक अपनी गलती के लिए माफी मांगे। अन्यथा वह काम नहीं करेंगे।

उधर इस मामले का एक वीडियो वायरल होने से भाजपा नेता असहज हो

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पाखरो सफारी घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सीबीआई से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। कार्बेट पार्क की पाखरो रेंज में घटित करोड़ों के घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को कड़ी फटकार लगाते हुए 3 महीने में इसकी स्टेटस रिपोर्ट अदालत में पेश करने के आदेश दिए हैं। वहीं नेशनल कॉर्बेट पार्क में इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों के कटान और निर्माण कार्य में किए गए व्यापक घोटाले को लेकर तत्कालीन वन मंत्री हरक सिंह रावत और डीएफओ किशन चंद्र के दुस्साहस पर हैरानी जताई है।

उल्लेखनीय है कि 2019-20 के इस घोटाले में तत्कालीन वन मंत्री डॉ हरक सिंह और डीएफओ सहित अन्य कई अधिकारी व कर्मचारियों पर करोड़ों रुपए के घोटाले के आरोप हैं। जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। अभी बीते दिनों सीबीआई द्वारा हरक सिंह और डीएफओ किशन चंद के तमाम ठिकानों पर छापेमारी की गई थी। जिसके बाद अभी ईडी ने भी छापेमारी की थी

❑हरक और किशन के दुस्साहस पर हैरानी जताई

जिसमें करोड़ों रुपए कैश तथा करोड़ों के गहने व विदेशी मुद्रा और करोड़ों रुपए की संपत्तियों के खरीद फरोख्त के कागजात मिले थे। ईडी द्वारा इस मामले में अब आरोपियों से बरामद संपत्ति और नगदी के आय के स्रोत के बारे में पूछताछ की जा रही है। ईडी के नोटिस के बाद भी हरक सिंह अभी तक ईडी के सामने पेश नहीं हुए हैं। इस घोटाले में 130 पेड़ों के कटान की मंजूरी लेकर हजारों की संख्या में पेड़ों का कटान करने और निर्माण कार्य में सैकड़ो करोड़ के घोटाले के आरोप हैं।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

74000 अंक के पार पहुंचा सेंसेक्स

नई दिल्ली। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार ने आखिरी घंटे में रिकवरी देखी और सेंसेक्स पहली बार 74000 अंक के पार पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स 74,106.60 अंक के ऑल टाइम हाई को टच किया। वहीं, इस दौरान

सेंसेक्स 73,321.48 अंक के निचले स्तर तक भी गया। इस तरह, ट्रेडिंग के दौरान सेंसेक्स में 700 अंकों से ज्यादा की तेजी आई। निफ्टी की बात करें तो यह 22,473.45 अंक के हाई को टच कर गया। इससे पहले कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से लगातार दूसरे दिन भी घरेलू शेयर मार्केट की ओपनिंग कमजोर रही।

बीएसई सेंसेक्स 89 अंकों की गिरावट के साथ 73587 के लेवल पर खुला, जबकि एनएसई का बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी 50 ने 28 अंकों के नुकसान के साथ 22327 पर खुला। मंगलवार को जहां दलाल स्ट्रीट लाल निशान पर बंद हुआ था, वहीं अमेरिकी सूचकांकों में 1% से अधिक की गिरावट आई।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का उद्घाटन

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कोलकाता में देश की पहली अंडरवाटर मेट्रो का उद्घाटन किया। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी ने स्कूली बच्चों के साथ एस्प्लेनेड से हावड़ा मैदान तक मेट्रो की सवारी की। अधिकारियों ने बताया कि सुरंग का नदी के नीचे का हिस्सा 520 मीटर लंबा है और ट्रेन को इसे पार करने में लगभग 45 सेकंड का समय लगेगा।

उद्घाटन कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी ने स्कूली बच्चों के साथ एस्प्लेनेड से हावड़ा मैदान तक मेट्रो की सवारी की। अधिकारियों ने बताया कि सुरंग का नदी के नीचे का हिस्सा 520 मीटर लंबा है और ट्रेन को इसे पार करने में लगभग 45 सेकंड का समय लगेगा। दो स्टेशनों-

❑स्कूली बच्चों के साथ एस्प्लेनेड से हावड़ा मैदान तक की मेट्रो की सवारी

हावड़ा मैदान और एस्प्लेनेड के बीच बनी इस सुरंग की कुल लंबाई 4.8 किलोमीटर है, जिसे 4965 करोड़ रुपये की लगात से तैयार किया गया है। इसमें, 1.2 किमी सुरंग हुगली नदी में 30 मीटर नीचे है, जो इसे 'किसी भी बड़ी नदी के नीचे देश की पहली परिवहन सुरंग बनाती है। इसके अलावा हुगली नदी के नीचे स्थापित हावड़ा मेट्रो स्टेशन, देश का सबसे गहराई में स्थित स्टेशन भी होगा। यह सुरंग ईस्ट-वेस्ट मेट्रो कॉरिडोर परियोजना का एक हिस्सा है। इस कॉरिडोर में वर्तमान में साल्ट लेक सेक्टर पांच से सियालदह तक का हिस्सा व्यावसायिक रूप से परिचालन में है। मेट्रो रेल के मुताबिक, इस कॉरिडोर की पहचान 1971 में शहर के मास्टर प्लान में की गई थी। मेट्रो रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मित्रा ने कहा, 'हावड़ा और कोलकाता, पश्चिम बंगाल के दो सदियों पुराने ऐतिहासिक शहर हैं और यह सुरंग हुगली नदी के नीचे से इन दोनों शहरों को जोड़ेगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

संक्रमण काल

साल 2024 की शुरुआत से पहले ऐसा लग रहा था कि देश में सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। चाहे सरकार की बात हो या फिर संवैधानिक संस्थाओं की अथवा देश की राजनीतिक पार्टियों की बात हो या देश के लोकतंत्र, मीडिया और न्यायपालिका की। सब कुछ तो आल इज वेल था फिर आखिरकार बीते दो-तीन महीनों में ही ऐसा क्या हो गया कि सब कुछ गलत ही गलत लगने लगा है। अगर इसकी ठीक से पड़ताल की जाए तो एक बात साफ समझ में आती है कि तब कुछ ठीक था ही नहीं बस सब कुछ ठीक दिखाने का प्रचार सत्ता में बैठे लोगों और प्रशासन में अधिकारियों और मीडिया जिसे अब गोदी मीडिया के नाम से जाना जा रहा है, द्वारा ही ठीक बताया और दिखाया जा रहा है। संसद में विपक्ष की बात को कोई सुनने को तैयार नहीं था और सड़कों पर अगर कोई आंदोलन के लिए उतरने का साहस करता तो उसकी खबर या तो लाठियां भांज कर की जाती थी या फिर सड़कों पर घसीट कर। अब जब लोकसभा चुनाव सर पर है तो विपक्षी दलों द्वारा सड़कों से लेकर गांव देहात तक और किसानों द्वारा दिल्ली की घेराबंदी के जरिए इसके खिलाफ आवाज बुलंद की जाने लगी है। उनकी इस आवाज को थोड़ा सा बल न्यायालीय फैंसलों से भी मिला है जिनके माध्यम से देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा आईना दिखाने का साहस किया गया। यह अलग बात है कि सरकार के फैंसलों को गलत बताकर उन्हें रद्द किए जाने के बावजूद भी सत्ता में बैठे लोग सच को दबाने का प्रयास कर रहे हैं और मीडिया सरकार को भरपूर संरक्षण दे रहा है। लेकिन यह समय ही बतायेगा कि वह कहां तक कामयाब होते हैं। वर्तमान दौर में कुछ रहस्यों से पर्दा खिसकने से यह साफ लगने लगा है कि बात सिर्फ दाल में कुछ काला होने तक ही सीमित नहीं है अपितु पूरी दाल ही काली है। सब कुछ झूठ ही झूठ है। सत्ता में जो लोग बैठे हैं वह जो कुछ भी कह रहे हैं वह सब झूठ है टीवी चैनलों पर लोग जो देख रहे हैं वह सब कुछ गलत है और अखबारों में जो लोग पढ़ रहे हैं वह सब कुछ गलत है। स्थिति अगर ऐसी है कि लोगों को मीडिया से ही भरोसा खत्म हो रहा है तो यह देश के लोकतंत्र के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक है ऐसी स्थिति में अगर इसको कोई बचा सकता है तो वह सिर्फ और सिर्फ आम जन मानुष का विवेक ही है लेकिन झूठ के इस दौर में जहां जनता के सामने सिर्फ झूठ ही परोसा जा रहा हो उसका विवेक भी सच को जानने और परखने में कितना सफल हो सकता है बहुत ही मुश्किल सवाल है। मीडिया में अभी से ओपिनियन पॉल के नतीजे आ रहे हैं। कोई भाजपा को 300 के पार तो कोई 400 के पार भेज रहा है। जितना पूरे चुनाव प्रचार पर खर्च आना चाहिए था उससे अधिक सत्ताधारी दल अब तक विज्ञापनों पर खर्च कर चुका है। कहते हैं जो दिखता है वही बिकता है ऐसी स्थिति में जनमानस का विवेक कितना काम करेगा कुछ नहीं कहा जा सकता है यह देश की राजनीति, लोकतंत्र व संवैधानिक संस्थाओं के लिए संक्रमण का काल है यही सच है।

ईमानदार पुलिस निरीक्षकों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिलाएं डीजीपीः नेगी

हमारे संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने प्रदेश के कर्मठ व ईमानदार पुलिस उप निरीक्षकों/ निरीक्षकों को थाने-चौकियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिलाने को लेकर पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर डीजीपी अभिनव कुमार ने शीघ्र ही एडीजी, लॉ एंड ऑर्डर प्रशासन के साथ समीक्षा बैठक करने की बात कही।

नेगी ने कहा कि अधिकांश जनपदों के पुलिस कप्तानों द्वारा सिफारिसी व संसाधनों (धनबल) से लैस निरीक्षकों को ही तरजीह दी जाती है, जबकि इसके विपरीत काबिल निरीक्षक पुलिस लाइन की शोभा बढ़ा रहे होते हैं। उक्त सेटिंगबाजी/ संसाधनों की बदौलत पद हासिल किए गए निरीक्षक अपने संसाधन वापस जुटाने के लिए दिन- रात जुटे रहते हैं , जिससे कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है और जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है।

सिंहं नसन्त मध्वो अयासं हरिमरुषं दिवो अस्य पतिम्।
शूरो युत्सु प्रथमः पृच्छते गा अस्य चक्षसा परि पात्युक्षा।।

(ऋग्वेद ९-८९-३)

परमात्मा का सोम जो सिंह के समान वीरता, आनंद और मधुरता प्रदान करता है। जो मनुष्य ऐसे सोम को ग्रहण करता है वह परमात्मा परायण हो जाता है। ऐसा सोम उसकी ज्ञान द्वारा रक्षा भी करता है और उसके जीवन को सफल बनाता है।

भारत की प्राचीन सभ्यता पर आधारित तीन वेब श्रृंखलाओं का प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। द रजा फाउंडेशन के सहयोग से नमित अरोडा द्वारा प्रस्तुत की गयी तीन लघु वेब श्रंखलाओं का प्रदर्शन किया गया।

आज यहां दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र की ओर से द रजा फाउंडेशन के सहयोग से नमित अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत की गई तीन लघु वेब श्रंखलाओं का निशुल्क प्रदर्शन पुस्तकालय में अध्ययन करने वाले युवा पाठकों के लिए किया गया। यह तीन वेब श्रंखलाएं थीं- द हडप्पन्स (24 मिनट),द आर्यन्य एण्ड वैदिक ऐज (27 मिनट) तथा द मौर्यन्स एण्ड मेगस्थनीज (28 मिनट)। यह तीनों वेब श्रंखलाएं द इंडियंस ए ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ ए सिविलाइजेशन पुस्तक पर आधारित हैं, और भारत के ऐतिहासिक स्थलों की सभ्यता के साथ ही भारत में प्राचीन और मध्यकालीन विदेशी यात्रियों द्वारा की गई यात्राओं की शानदार कहानी बतलाती हैं। पहली वेब श्रंखला में हड़प्पावासियों ने भारतीय उपमहाद्वीप में पहले शहरों और एक भौतिक संस्कृति का निर्माण किया जिसमें उन्नत शहरी डिजाइन, शहर-व्यापी स्वच्छता और दुनिया में पहला इनडोर शौचालय शामिल थे। इस एपिसोड में नमित अरोड़ा शानदार तरीके से पश्चिमी भारत और पाकिस्तान के स्थलों पर, 2600-1900 ईसा पूर्व, इसकी परिपक्व अवधि की खोज करते हैं। कार्यक्रम के प्रारम्भ में दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र के प्रोग्राम एसोसिएट चनद्रशेखर तिवारी ने इस बेब श्रंखला पर संक्षिप्त जानकारी दी और कहा कि संस्थान की ओर से पुस्तकालय में विविध प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा पाठकों के लिए समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम करने के प्रयास किये जाते रहेगें।इतिहासकार डॉ. योगेश धस्माना ने भारत के प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों व सभ्यता पर संक्षिप्त जानकारी भी दी।इस अवसर पर ब्रिगेडियर भारत भूषण,कर्नल अरुण ममगाईं, शैलेन्द्र नौटियाल, पूर्व निदेशक राज्य अभिलेखागार, डॉ.लालता प्रसाद, जगदीश बाबला,पर्यावरण मित्र चन्दन नेगी, दून पुस्तकालय एवं शोध केन्द्र के सुन्दर सिंह बिष्ट, जगदीश सिंह महर, सुमन भारद्वाज, मधन सिंह,विजय बहादुर सहित पुस्तकालय में अध्ययनरत बड़ी संख्या में युवा पाठक अपस्थित रहे।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिहारीगढ निवासी प्रशांत चौहान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह पटेलनगर में छोले भटूरे की दुकान पर खडा था तभी वहां पर आरव गुर्जर बरसी, आर्यन बरसी, आयुष चौधरी, दीपांश तालियान, ऋतिक चौधरी, आदित्य चौधरी, आशीष पंडित, सुजल पाल व विजय भारद्वाज वहां पर आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर बीच बचाव कराने आये तो सभी उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

डकैती मामले में फरार चल रहा पांच हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। डकैती मामले में फरार चल रहे पांच हजार के ईनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया हैं। जानकारी के अनुसार बीती 30 दिसम्बर 2023 को संदीप कुमार पुत्र नकली राम निवासी थाना मॉडल टाउन जिला पानीपत हरियाणा द्वारा नगर कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात बदमाशों द्वारा उनकी गाडी की आरसी और 2 एटीएम कार्ड, 1100 रूपये की लूट ली गयी हैं। साथ ही बताया कि बदमाशों ने उनके एटीएम से 44000 रुपए भी निकाले गये है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आया कि उक्त घटना को सात बदमाशों द्वारा अंजाम दिया गया है। जिसमें से एक बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जबकि अन्य बदमाश फरार चल रहे थे। जिन पर पुलिस द्वारा ईनाम भी घोषित किया गया था। इस मामले में पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बीते रोज एक पांच हजार के ईनामी बदमाश रणजीत उर्फ जंगली पुत्र गरीब सिंह निवासी मोहल्ला पांडवान पुराना हस्तिनापुर थाना हस्तिनापुर जनपद मेरठ उत्तर प्रदेश को लाल कोठी के पास हरिद्वार से गिरफ्तार किया गया है। जिसके कब्जे से लूटा गया एक एटीएम तथा 1330 रुपए भी बरामद किये गये है।

मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगे ढाई लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ढाई लाख रूपये व एक्टिवा ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर निवासी श्योमली ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसको अमन जैसवाल पुत्र राम बाबू जैसवाल निवासी वसंत कुंज, ठाकुरपुर रोड, प्रेमनगर नाम का एक व्यक्ति उनके घर के पास स्थित किराने की दुकान में मिला जिसका उस दुकान में रोज आना जाना था। अमन खुद को वाहन सेल परचेस कम्पनी का मालिक बताता था और लोगों का पैसा इन्वसैट करने का कार्य करता था। उससे हुई मुलाकात के कुछ समय बाद उसने उसको और उसके पति को पैसा कमाने व अच्छी आमदनी कर सकने के लिये उसके काम में हिस्सेदारी करने का प्रस्ताव दिया। उसकी सभी बनावटी बातें और कहानिया काफी प्रभावशाली थी जिसके झांसे में वह और उसके पति आ गए।

अमन ने सबसे पहले उनसे एक लाख 30 हजार रूपये उधार लिये, यह कह कर की वह अपना काम और बड़ा रहा है और उनसे ली गई इस रकम को वह बड़ा कर वापस करेगा। हमने उसके कहे अनुसार उसको पहली बार पैसे दिये जिसको की दो माह के बाद वापस मांगने पर उसने आर्थिक तंगी की बात कहते हुए देने से इंकर कर दिये और अपने परिवार में चल रही कुछ परेशानी का व पिता के इलाज का हवाला देते हुए उलटा उनसे ही मदद के तौर पर एक लाख 70 हजार रूपये और मांग लिये और 2 माह के बाद पूरा पैसा वापस लौटाने की बात कही। जैसे जैसे समय बीतता चला गया उसकी बातें व उसका उनसे मिलना जुलना थोड़ा कम होने लगा। इतना ही नहीं वह अपनी मजबूरी बताते हुऐ उनकी लोन पर ली हुई एक्टीवा भी उससे कुछ देर चलाने के लिये ले गया जिसके बाद आज तक वो लौटा नहीं है व ना ही उनकी एक्टिवा वापस की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

विपक्ष भले मरा हो पर वोट ज्यादा!

हरिशंकर व्यास

भारत के लोकतंत्र का अभूतपूर्व तथ्य है जो 1952 से अभी तक के लोकसभा चुनावों में कभी भी, किसी भी सत्तारूढ़ पार्टी को 5० प्रतिशत पार वोट नहीं मिले। पचास प्रतिशत करीब के 48 प्रतिशत वोट का रिकॉर्ड केवल राजीव गांधी के 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का है। तब कांग्रेस को 48 प्रतिशत वोट और 415 सीटें मिली थी। इंदिरा गांधी की हत्या पर जन सहानुभूति में 64 प्रतिशत मतदान था। और कांग्रेस को 48 प्रतिशत वोटों वाला जनादेश। जबकि मालूम है नरेंद्र मोदी के 2०14 तथा 2०19 के चुनाव में भाजपा को कुल कितना वोट मिला? सन् 2०14 में 31 प्रतिशत वोट व 282 सीटें वहीं 2०19 में 37.7 प्रतिशत वोट और 3०3 सीटे। कांग्रेस की सरकारों के 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 198०, 1984 के जनादेश से निर्मित नेहरू, इंदिरा, राजीव का प्रधानमंत्री पद हमेशा 41 से 48 प्रतिशत वोटों पर था। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव में कांग्रेस हारी थी। तब वह 35 प्रतिशत वोट और 154 सीटों पर सिमटी थी। नरसिंह राव, डॉ. मनमोहन सिंह की अल्पमत सरकारें जरूर कांग्रेस के 36 और 27-29 प्रतिशत वोट आधार की थीं।

उस नाते 2०14 में अच्छे दिनों की हवा के 31 प्रतिशत और 2०19 की पुलवामा व छप्पन इंची छाती की आंधी में कुल 37.7 प्रतिशत वोटों का नरेंद्र मोदी का जनादेश भारत के चुनावी इतिहास का एक सामान्य-मामूली आंकड़ा है। तभी लाख टके का सवाल है कि 4०० सीटों के हल्ले में भी क्या भाजपा चालीस प्रतिशत वोट पाने का सामान्य आंकड़ा भी पा सकेगी? नेहरू के कार्यकाल के औसत 46 प्रतिशत, इंदिरा गांधी के 42.3 और राजीव गांधी के 48 प्रतिशत वोटों के जनादेश का रिकॉर्ड क्या नरेंद्र मोदी 2०24 में तोड़ रहे हैं?

नामुमकिन है। भाजपा विपक्ष की फूट से सीटें भले अच्छी पा ले लेकिन भारत के कुल मतदाताओं में नरेंद्र मोदी के लिए ठप्पा लगाने वाले 4० प्रतिशत लोग भी शायद ही हों। मोदी के विरोधियों के 6० प्रतिशत वोट होंगे ही होंगे।

मैं सीट संख्या के मामले में भाजपा की एक्सट्रीम हवा का हिसाब लगाए हुए हूं। मतलब यह कि रामजी की जब हवा है तो यूपी, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, छतीसगढ़, हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, जम्मू क्षेत्र, गोवा, दादर-दमन की 2०4 सीटों में हर सीट भाजपा की झोली में। बावजूद इससे 4०० पार सीटों का आधार नहीं बनता। दूसरी कैटेगरी में मुकाबले वाले महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा, असम की 2०7 सीटों का ब्लॉक है। इसमें क्या भाजपा 2०19 जितनी यानी 113 सीटें वापिस जीत सकेगी? कतई नहीं। विपक्ष के गढ़ के नाते फिलहाल तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पंजाब की 115 सीटों में भाजपा की दाल नहीं गलनी है। उत्तर-पूर्व, लक्षद्वीप, अंडमान जैसे छोटे-छोटे राज्यों की बाकी 19 सीटों का ब्लॉक मोटा मोटी लुढ?ता लोटा है। जाहिर है इस बार 4०० पार की भाजपा हवाबाजी सिरे नहीं चढ़ेगी।

सवाल है इस चुनावी तस्वीर में 4०० सीटें आसान हैं या 273 सीटों के लिए भी मुकाबला है? नोट रखें 4०० सीटों के हल्ले के पीछे और मोदी-शाह की सारी जोड़-तोड़ के पीछे का मकसद जैसे-तैसे 273 से पार और 3०० सीटों का आंकड़ा पा कर लाज बचाने का है। नरेंद्र मोदी जानते हैं कि दस साल की एंटी इन्कमबैंसी जीतना कितना मुश्किल होता है और मंदिर की हवा, हिंदू-मुस्लिम, तमाम तरह की जुमलेबाजी, नौटंकियों-झांकियों के बावजूद यूपी में न अस्सी की अस्सी सीटे जीती जा सकती है और न महाराष्ट्र में यूपी जैसी भगवा हवा बन सकती है। और यह भी नोट रखें कि नरेंद्र मोदी से चुनाव में विपक्ष लड़ता हुआ नहीं होगा, बल्कि जनता वोट देते हुए होगी क्योंकि भारत के लोकतंत्र की खूबी है जो 52 से 61 प्रतिशत वोट हमेशा सत्ता के खिलाफ वोट देता आया है और यह अलग बात है कि वह हमेशा विपक्ष की फूट से बिखरा रहा है!

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पैदल चलें और रहें सेहतमंद

पैदल सैर करने से बहुत से फायदे हैं इससे न सिर्फशरीर में ऊर्जा बनी रहती है बल्कि यह काफी रोगों से छुटकारा पाने या रोगों को दूर रखने का सबसे आसान तरीका भी है। हर दिन पैदल चलने से आपको क्याक्या फायदें होंगे यह जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

पैदल चलना सेहत के लिए भी बेहद लाभदायक है। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ कदम पैदल चलने से कई तरह की बीमारियों से बचाव के अलावा मानसिक मजबूती भी मिलती है। बावजूद इसके, लोग थोड़ासा भी पैदल चलने से कतराते हैं। यहां तक कि ऑफिस, कॉलेज या शॉपिंग मॉल में सीढ़ियों की बजाय लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना 2 मिनट भी पैदल चला जाए, तो इससे बिगड़े हुए ग्लूकोज के स्तर को ठीक किया जा सकता है, साथ ही दिल की बीमारियों से भी बचा जा सकता है।

कदम बढ़ाएं, दर्द भगाएं

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि दिन में पैदल चला जाए, तो घुटने, कूल्हे में दर्द से राहत के साथ ही टखनों या पैरों में आई जकड़न को दूर किया सकता है। इसके साथ ही हफ्ते में 8 मिनट तेज चलना चाहिए, क्योंकि इससे कई तरह की बीमारियां दूर की जा सकती हैं। एक अध्ययन के अनुसार, रोजाना दो हजार कदम चलने वाले लोगों में हार्ट अटैक से होने वाली मौतों में 1 प्रतिशत जोखिम कम पाया गया है।

पैदल चलने से ब्रेन में सेरोटोनिन नामक केमिकल रिलीज होता है। इससे लोग मानसिक रूप से बेहतर होते हैं।

जब रोजाना पैदल चलने की आदत

बन जाती है, तो एंडोर्फिन नाम हार्मोन का रिसाव होता है, जिसे फील गुड हार्मोन कहा जाता है। इसके रिलीज होने से व्यक्ति के मूड में सुधार होता है और वह अच्छा महसूस करता है। साथ ही पेड़पौधों के बीच चलने से ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रण में रखा जा सकता है।

उम्र बढ़ती है

डॉक्टर कहते हैं कि व्यक्ति जितना ज्यादा पैदल चलता है, उसकी उम्र में इजाफा होता है। पैदल चलने से उम्र के ढलान पर पहुंचने के बावजूद इंसान शारीरिक रूप से मजबूत रहता है। इससे उनमें उम्र के साथ दिखने वाली समस्याओं का असर बेहद कम दिखता है। रोजाना पैदल चलने से सेहत बेहतर रहता है और उम्र बढ़ती है।

चलने से न केवल शरीर को मिलने वाले ऑक्सिजन की मात्रा में बढ़ोतरी होती है, बल्कि इसमें ढेर सारी कैलरी भी लगती है, जिससे मोटापा नियंत्रण में मदद मिलती है।

पैदल चलेंगे, तो मोटापा भागेगा

वैसे तो मोटापा अपने आप में एक बीमारी है, लेकिन कई बीमारियों की वजह भी मोटापा है। बदलती जीवनशैली और फास्ट फूड पर बढ़ती निर्भरता के कारण तेजी से यह समस्या लोगों को अपनी जद में ले रही है। डॉक्टरों के अनुसार, मोटापा डायबीटीज, दिल के रोग, जोड़ों के दर्द की सबसे बड़ी वजह है। इसके अलावा, इसके कारण बढ़ती उम्र में अल्जाइमर तक की दिक्कत हो सकती है। डॉक्टर बताते हैं कि पैदल चलने से मोटापा दूर होता है।

घटता है स्ट्रोक का खतरा

जो लोग रोजाना पैदल चलते हैं, उनमें ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बेहद कम हो जाता है, क्योंकि जो भी हम खाते हैं, पैदल चलने की वजह से वह पच जाता है और कैलरीज बर्न हो जाती है। स्ट्रोक उन लोगों को ज्यादा होता है, जो पैदल नहीं चलते या कोई व्यायाम नहीं करते। ऐसे में वह जो भी खाते हैं, कोलेस्ट्रॉल धमनियों में जमा होने लगता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक हो सकता है। पैदल चलने से इंसान सेहतमंद रहता है। सुबह के वक्त पैदल चला जाए, तो इससे शरीर को विटामिन डी भी मिलता है।

फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में हैकर की भूमिका निभाएंगी अलाया एफ

बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर खबरों का हिस्सा बनी हुई हैं।वह इस फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ अभिनय करती नजर आएंगी।यह फिल्म 1० अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।अब फिल्म में अलाया के किरदार से पर्दा उठ चुका है। खबर है कि बड़े मियां छोटे मियां में अलाया पहली बार एक हैकर की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

प्रोडक्शन हाउस के एक करीबी सूत्र ने कहा, अलाया बड़े मियां छोटे मियां में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैया हैं। वह एक हैकर का किरदार निभाएंगी। यह उनकी पिछली भूमिकाओं से बहुत अलग है। फिल्म में उनका किरदार काफी अहम माना जा रहा है। अलाया का किरदार बड़े मियां छोटे मियां की एक्शन से भरपूर कहानी में दिलचस्प मोड़ लेकर आएगा।बता दें, मानुषी छिल्लर भी फिल्म में हैकर के किरदार में दिखाई देंगी।

अलाया ने अपने करियर की शुरुआत 2०2० में आई फिल्म जवानी जानेमन के जरिए की थी।वह अब तक फैडी, ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत और यू-टर्न जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।आने वाले दिनों में अलाना बड़े मियां छोटे मियां के अलावा राजकुमार राव के साथॉ श्रीकांत बोला की बायोपिक श्री में नजर आएंगी।

गोपीचंद की एक्शन ड्रामा फिल्म भीमा 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

माचो हीरो गोपीचंद फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर भीमा लेकर आ रहे हैं। कुछ समय बाद उन्हें एक क्रूर पुलिस वाले के रूप में देखा जाता है। फिल्म का निर्देशन ए हर्ष ने किया है और श्री सत्य साईं आर्ट्स के बैनर तले केके राधामोहन द्वारा निर्मित है। फिल्म के टीजर से लेकर गाने, प्रमोशनल मटेरियल तक को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। जैसे-जैसे रिलीज डेट करीब आ रही है, निर्माताओं ने फिल्म का नाटकीय ट्रेलर जारी कर दिया है। ट्रेलर की शुरुआत फिल्म के आध्यात्मिक पक्ष को दिखाने से होती है। परशुराम उद्धारकर्ता भगवान विष्णु के दशावतार में छठे अवतार हैं। उन्होंने अपनी कुल्हाड़ी से समुद्र को पीछे भेजकर परशुराम क्षेत्र नामक एक अद्भुत भूमि का निर्माण किया। जब राक्षस अपनी क्रूरता से निर्दोषों को परेशान करते हैं, तो भगवान उन्हें रोकने के लिए ब्रह्म रक्षासुडु को भेजते हैं। वह एक क्रूर पुलिस वाला है जो राक्षसों के

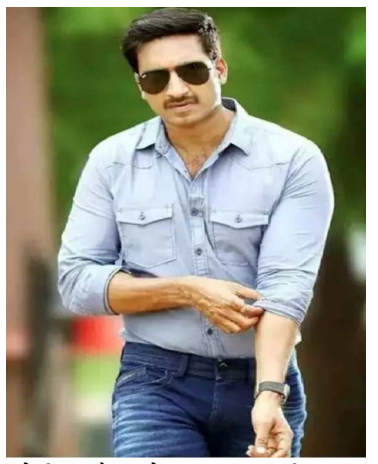

खिलाफ युद्ध की घोषणा करता है। ट्रेलर में गोपीचंद के दूसरे किरदार का भी परिचय दिया गया है। कन्नड़ में पावर पैक्ड एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक ए हर्ष एक जीवन से भी बड़ी कहानी लेकर आए हैं, जिसमें मुख्य कहानी में आध्यात्मिक तत्वों को शामिल किया गया है। गोपीचंद दो बिल्कुल अलग-अलग किरदारों में नजर आए हैं। जहां एक पुलिस वाले के रूप में वह निर्दयी लग रहे हैं, वहीं दूसरा अवतार कहीं अधिक डरावना है। हालाँकि ट्रेलर में नायिका प्रिया भवानी शंकर और मालविका शर्मा सहित अन्य पात्रों को दिखाया गया था, लेकिन मुख्य ध्यान केवल गोपीचंद के दो पात्रों पर था और फिल्म के मूल तत्वों को स्थापित करने पर भी था। स्वामी जे गौड़ा की सिनेमैटोग्राफी प्रभावशाली है, जबकि रवि बसरूर का बैकग्राउंड स्कोर दिलचस्प है। उच्च उत्पादन मूल्य और मजबूत तकनीकी आउटपुट इसे पूरी तरह से भव्य बनाते हैं। ट्रेलर निश्चित रूप से फिल्म के लिए दिशा तय करता है। भीमा 8 मार्च को महा शिवरात्रि पर रिलीज के लिए तैयार हो रही है।(आरएनएस)

धूप के प्रकोप से बेजान हो गए होंठ? आराम देंगी घर पर बनीं ये लिप बाम

त्वचा की देखभाल के लिए तो हम सनस्क्रीन का इस्तेमाल कर लेते हैं, लेकिन होंठ सूरज के प्रकोप से नहीं बच पाते। हमारे होंठ सूरज की किरणों के कारण रूखे और बेजान होने लगते है।धूप से क्षतिग्रस्त होंठ लाल, सूजे हुए दिखते हैं और छूने पर दर्द करते हैं। होंठों की देखभाल के बिना इनके संक्रमित होने का खतरा भी रहता है।आप कोमल-नमी युक्त होंठों के लिए घर पर ये 5 कारगर लिप बाम बना सकते हैं।

एलोवेरा लिप बाम

एलोवेरा का पौधा अपने ठंडक पहुंचाने वाले गुणों के लिए जाना जाता है। आप इससे एक आरामदायक अहसास देने वाला लिप बाम बना सकते हैं।एक कटोरे में नारियल तेल, शिया बटर और मोम के छर्रों को लेकर ओवन में रखकर पिघला लें। ओवन से बाहर निकालकर इसमें एलोवेरा जेल और विटामिन-श्व का तेल डालकर अच्छी तरह मिला लें।मिश्रण को लिप बाम कंटेनर में डालें और उपयोग करने से पहले इसे ठंडा होकर जमने दें।

शहद लिप बाम

शहद होंठों को नमी और एक्सफोलिएशन प्रदान करता है। इसका लिप बाम फटे होंठों को भी ठीक कर सकता है।शहद का लिप बाम बनाने के लिए मोम के छर्रों और बादाम के तेल को ओवन में या गैस पर पिघला लें। अब इसमें शहद और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल मिलाएं।मिश्रण को कंटेनर में रखकर ठंडा होने पर लगाएं। अगर आपके होंठों पर काले दाग पड़ रहे हैं तो यह कुछ समस्याओं के कारण हो सकता है।

कोको बटर लिप बाम

कोको बटर एक इमोलिएंट है, जो प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट का स्रोत है। यह होंठों पर एक सुरक्षात्मक हाइड्रेटिंग परत जोड़ता है, जो उन्हें अत्यधिक तापमान और गर्मी से बचाने में मदद करता है।इसका लिप बाम बनाने के लिए कोको बटर, नारियल तेल और जोजोबा तेल को एक साथ पिघला लें। अब इसे आंच से हटाकर इसमें विटामिन-श्व तेल और पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल मिलाएं।मिश्रण को लिप बाम कंटेनर में डालें और उपयोग करने से पहले इसे जमने दें।

संतरे का लिप बाम

संतरा हमारे होंठों को चमकदार और नर्म बनाने में मदद करता है। इससे होंठों का कालापन हटाया जा सकता है। संतरे का लिप बाम बनाना आसान है।एक पैन में थोड़ा शिया बटर और मोम डालें और इसे पिघलने दें। मिश्रण में नारियल तेल को अच्छी तरह हिलाएं। इसे आंच से उतारकर इसमें थोड़ा सा संतरे का एसेंशियल ऑयल डालें।मिश्रण को ठंडा होने पर इस्तेमाल करें। आप होठों को खूबसूरत बनाने के लिए स्क्रब का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी लिप बाम

लिप बाम में स्ट्रॉबेरी डालना फायदेमंद है क्योंकि यह धूप की क्षति से लडने में मदद करती है और विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट से काले होंठों को हल्का करती है।इसे बनाने के लिए नारियल तेल, शिया बटर और मोम के छर्रे पिघला लें। अब इसमें थोड़ा सा कोको बटर डालकर अच्छी तरह मिलाएं।इसे आंच से उतारकर इसमें स्ट्रॉबेरी का एसेंशियल ऑयल डालकर मिलाएं। अब इसे एक कंटेनर में जमने के लिए रख दें।

००

दांतों को मोतियों जैसा सफेद ऐसे बनायें

सफेद चमकदार दांत किसे अच्छे नहीं लगते, ये देखने में भी काफी आकर्षक लगते हैं। यह तो सब मानते हैं कि पीलेपन लिए हुए धब्बेदार दांतो की तुलना में सफेद चमकदार दांत अच्छे लगते हैं। वहीं अगर आपके दांत पीले हैं तो ये आपको शर्मिंदगी होती है। लिहाजा हम आपको बता रहे हैं कि आखिर दांतों के पीलेपन की वजह क्या है और किन चीजों से दूरी बनाकर आप अपने दांतों को मोतियों जैसे सफेद बनाए रख सकते हैं। जेनेटिक होने के साथ-साथ खराब डेंटल हाइजिन के साथ-साथ बहुत से ऐसी वजहें जो दांतो के रंग को डार्क या पीला करती हैं। आप जो पानी रेग्युलर पी रहे हैं अगर उसमें फ्लोराइड का स्तर ज्यादा है तो इससे भी आपके दांत पीले और गंदे हो सकते हैं। ज्यादातर लोग दांतो पर होने वाले धब्बों के पीछे चाय और कॉफी को दोषी मानते हैं क्योंकि इनमें कैफीन की मात्रा ज्यादा होती है लेकिन कई और कारण भी होते हैं।

ये सुन कर आपको आश्चर्य हो सकता है लेकिन विटमिन सी से भरपूर फ्लों के सेवन से भी आपके दांतों का रंग पीला हो सकता है और अगर आप सोचें तो समझ पाएंगे कि ये फ्ल किस तरह से आपके दांतो को डिसकलर करते हैं। इन साइट्रिक फ्रूट्स में मौजूद एसिड दांतो के इनामल को खत्म कर देता है जिससे दांतो में पीलापन आ जाता है।

अगर आपको मिठाइयां पसंद हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि मिठाइयां कई तरह से आपके दांतों को नुकसान पहुंचाती हैं। मिठाइयां और डीजर्ट्स में मौजूद शुगर न केवल आपके दांतों में कैविटी की समस्या पैदा करता है बल्कि साथ ही साथ दांतो के इनामल को भी खत्म करता है जिससे आपके दांत सफेद और चमकदार नहीं रह जाते।

रात में ब्रश न करना

अगर आप रात में खाने के बाद ब्रश नहीं करते तो आपके दांत धीरे-धीरे पीले होने लगते हैं और इनसे चमक भी चली जाती है। साथ ही साथ आपके दांतो में बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं और कैविटी की भी समस्या होने लगती है। इसके अलावा अगर आप दांतों को 2 मिनट से कम ब्रश करते हैं तो दांतो पर मैल जमने लगती है जिससे दांत पीले दिखने लगते हैं।

मेंटल हेल्थ सुधारनी है तो जमकर करें डांस

अगर आप अपनी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो डांस एक बहुत ही अच्छा उपाय है। डांस न सिर्फ हमें खुश रखता है, बल्कि यह हमारे तनाव को भी कम करता है। जब हम डांस करते हैं, तो हमारा शरीर खुशी देने वाले हार्मोन छोड़ता है, जिससे हमारा मूड अच्छा होता है। इसके अलावा, डांस करने से हम अपनी रोजमर्रा की चिंताओं से दूर हो जाते हैं और पल भर के लिए सब कुछ भूल जाते हैं। तो, अगर आप अपने मन को हल्का करना चाहते हैं और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने पसंदीदा संगीत पर जमकर डांस करें।

तनाव कम करता है

जब हम डांस करते हैं, तो हमारा शरीर एक खास हार्मोन निकालता है जिसे एंडोर्फिन कहते हैं। यह हार्मोन हमें बहुत खुशी देता है और हमारा तनाव दूर करता है। इससे हमारी चिंता और मानसिक परेशानी कम हो जाती है।

आत्म-सम्मान बढ़ाए

डांस करने से हम अपने शरीर को और अच्छे से समझने लगते हैं और खुद में विश्वास बढ़ता है। जब हम डांस के नए कदम सीखते हैं और उनमें अच्छे होते जाते हैं, तो हमें खुद पर गर्व महसूस होता है। यह हमें खुशी देता है और हमारा आत्म-सम्मान बढ़ता है।

खुशी महसूस करें

जब हम डांस करते हैं, हमारा शरीर खुशी के हार्मोन, जैसे एंडोर्फिन, छोड़ता है। ये हार्मोन हमें बहुत खुश और ऊर्जावान महसूस कराते हैं। इससे हमारा मूड अच्छा होता है और हम तनाव से मुक्त महसूस करते हैं। डांस हमें खुशी और हल्कापन देता है।

दोस्त बनाएं

जब आप डांस क्लास में जाते हैं या किसी समूह में डांस करते हैं, तो आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है। इससे आप खुद को कम अकेला महसूस करते हैं। नए लोगों से मिलने और उनके साथ डांस करने से आपको खुशी मिलती है और आपका समय भी अच्छा गुजरता है।

एक्टिव रहें

डांस एक मजेदार शारीरिक कसरत है जो हमें चुस्त दुरुस्त रखती है। यह हमारे शरीर को सक्रिय बनाता है और हमें फिट रखता है। साथ ही, डांस हमारे मन को भी खुश रखता है। इससे हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। डांस करने से आपकी सोचने की क्षमता बढ़ती है और आप ज्यादा रचनात्मक बनते हैं।

खुजली की समस्या से राहत देंगे ये घरेलू उपाय

अक्सर हमारी बॉडी पर किसी रिएक्शन की वजह से खुजली होने लगती है। खुजली अलग-अलग तरह से होती है। किसी को थोड़े समय में ठीक हो जाती है, तो किसी को 24 घंटे खुजली चलती है। घमौरियां, एलर्जी होने पर दाने होना, दाफड़, त्वचा लाल पड़ जाना... इस तरह के रिएक्शन से घर में रहकर भी निजात पाई जा सकती है। तो आइए जानते हैं घर में कैसे खुजली से निजात मिल सकती है -

1.नारियल का तेल - नारियल के तेल की तासीर ठंडी होती है, इसलिए खुजली चलने पर सबसे पहले नारियल का तेल जरूर लगाएं। त्वचा लाल होने पर, घमौरियां होने पर नारियल का तेल लगा सकते हैं। गर्मी के दिनों में आर्टिफिशियल ज्वेलरी पहनने पर फुंसियां हो जाती है तो आप नारियल का तेल लगाकर पाउडर लगा लीजिए।

2.एलोवेरा जेल - खुजली वाले स्थान पर एलोवेरा जेल लगाकर हल्के हाथों से घिस लीजिए। जल्द आराम मिलेगा। एलोवेरा जेल ठंडा होता है। चेहरे पर भी लगाने से फुंसी खत्म हो जाती है।

3.चंदन - जी हां, अगर गर्मी से आपको बॉडी पर खुजली हो रही है तो आप खुजली वाले स्थान पर चंदन भी लगा सकते हैं। इससे आपकी बॉडी में ठंडक पहुंचेगी और खुजली भी नहीं चलेगी। आप चंदन की जगह मुल्तानी मिट्टी भी लगा सकते हैं उससे भी ठंडक मिलेगी और जलन भी नहीं होगी।

4.दालचीनी - इसका सेवन खाने में लाभदायक माना जाता है। वहीं अगर खुजली से परेशान है तो आप प्रभावित स्थान पर दालचीनी लगा सकते हैं। दालचीन में थोड़ा सा पानी डालकर पेस्ट बना लें और खुजली वाली जगह पर लगा लें।

5.नीम का रस - जी हां, अगर आपको अचानक से खुजली होने लग जाएं ऐसे में नीम का रस लगा सकते हैं। नीम के पत्तों में थोड़ा सा पानी डालकर पीस लें। पत्तियों का रस निकालकर खुजली वाली जगह पर लगा लें। थोड़ी देर में आराम मिल जाएगा।

शब्द सामर्थ्य - 93

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुसबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

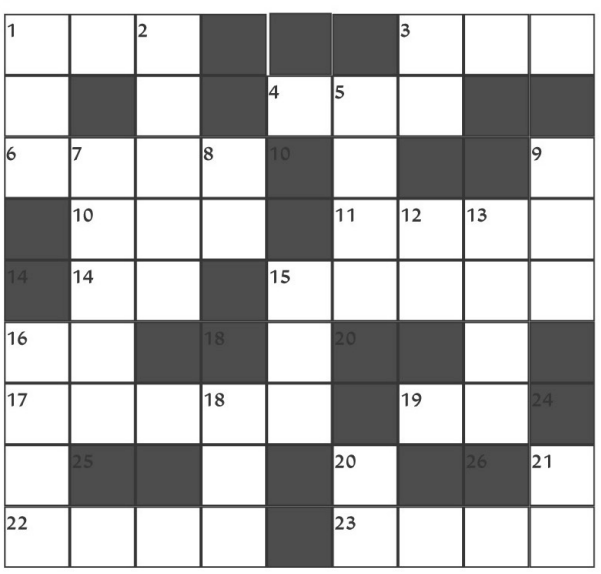

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 92 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

साल 2020 मेरे लिए भी बहुत मुश्किल था, क्योंकि मेरे अकाउंट में सिर्फ 257 रुपये थे- मेधा शंकर

विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म 12वीं फेल थिएटर्स में जबरदस्त हिट साबित हुई है. फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब हुई है. विक्रांत मैसी के स्ट्रगल से लेकर मेधा शंकर का सच्चा सपोर्ट देखकर फैंस काफी खुश हुए हैं. फिल्म की सक्सेस के साथ एक्ट्रेस भी रातों रात फेमस हो गईं. हर आर्टिस्ट की अपनी एक बैक स्टोरी होती है. नोएडा की रहने वाली मेधा शंकर बचपन से ही एक्ट्रेस बनना चाहती थीं. इसके लिए उन्होंने काफी संघर्ष भी किया.

मेधा शंकर हाल ही में मीडिया से बातचीत के लिए सामने आईं थीं. बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह साल 2018 में मुंबई एक कलाकार बनने आई थीं, लेकिन इन सालों में उन्होंने बहुत उतार-चढ़ाव देखा. एक दिन तो वह टूट भी गई थीं, उनके बैंक अकाउंट में सिर्फ 257 रुप लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी. मेधा ने कहा, 2020 दुनियाभर में कई वजहों से एक विनाशकारी साल रहा. यह साल मेरे लिए भी बहुत मुश्किल था, क्योंकि मैं पूरी तरह टूट गई थी. मेरे अकाउंट में सिर्फ 257 रुपये थे.

12वीं फेल से पहले भी मेधा कई फिल्मों में काम कर चुकीं थीं. एक्ट्रेस ने इस फिल्म के मिलने के पीछे की कहानी का भी खुलासा किया. एक्ट्रेस ने कहा, 12वीं फेल मिलने में मुझे थोड़ा समय लग गया. मैंने मुंबई में बतौर एक्टर साल 2018 में करियर की शुरुआत की थी. साल 2022 में मैंने एक कास्टिंग एजेंसी में इस फिल्म के लिए पहली बार ऑडिशन दिया था. फिर मैंने विधु विनोद चोपड़ा और पूरी टीम के साथ स्क्रीन टेस्ट किया. विधु सर, विक्रांत और टीम के साथ अपने पहले स्क्रीन टेस्ट के दौरान मुझे दृढ़ विश्वास था कि यह भूमिका मेरे लिए ही है.

27 अक्टूबर को रिलीज हुई 12वीं फेल, अनुराग पाठक के, इसी टाइटल वाले उपन्यास पर बेस्ड है. रियल लाइफ आईपीएस ऑफिसर मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस ऑफिसर श्रद्धा जोशी की इस कहानी को लोगों ने नॉवेल के रूप में भी खूब प्यार दिया था. फिल्म की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आई है. ऑडियंस ने 12वीं फेल को साल 2023 की बेस्ट फिल्म का टैग दिया है. वहीं, आईएमडीबी पर इस मूवी को 10 में से 9.2 रेटिंग मिली है. इस फिल्म की सक्सेस के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री में विक्रांत मैसी का कद और ऊंचा हो गया है. (आरएनएस)

शैतान का नया पोस्टर जारी, आमने-सामने दिखे अजय देवगन और आर माधवन

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। शैतार 8 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।अब इससे पहले निर्माताओं ने फिल्म के पहले गाने से जुड़ी महत्तवर्पूण जानकारी साझा की है।शैतान के पहले गाने का नाम ऐसा मैं शैतान होगा, जो 29 फरवरी को जारी किया जाएगा। फिल्म का नया पोस्टर भा सामने आया है।

सामने आए पोस्टर में अजय और माधवन आमने-सामने दिख रहे हैं।जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर फिल्म का नया पोस्टर और पहले गाने से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए लिखा, अब रहेगा खौफ सिर्फ शैतान का। ऐसा मैं शैतान 29 फरवरी को पैनोरमा म्यूजिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज हो रहा है।

शैतान एक सुपरनेचुरल फिल्म हैं। इस फिल्म में अजय देवगन शैतानी शक्तियों से लडकर अपने परिवार को बचाते हुए नजर आएंगे। मूवी में आर माधवन निगेटिव रोल निभा रहे हैं। खतरनाक टीजर के बाद अजय देवगन ने एक बार फिर शैतान की झलक दिखाई है। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा का जानी-मानी अभिनेत्री ज्योतिका भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। विकास बहल निर्देशित शैतान का टीजर कुछ समय पहले ही रिलीज किया गया था, जिसमें अजय और ज्योतिका से ज्यादा ध्यान माधवन ने खींचा था। उनका खतरनाक विलेन रोल किसी की भी रूह कंपाने के लिए काफी है। मूवी 8 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

खास बात यह है कि अजय देवगन इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं कर रहे हैं, बल्कि वह इसके निर्माता भी हैं। उन्होंने ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक के साथ मिलकर इस सुपरनेचुरल मूवी का निर्माण किया है। शैतान के अलावा अजय देवगन कई और मच अवेटेड फिल्मों में धमाल मचाने वाले हैं। उनकी फिल्मों की लिस्ट में सिंघम अगैन, रेड 2, मैदान और तब्बू के साथ औरों में कहां दम था जैसी फिल्में शामिल हैं। (आरएनएस)

पवन कल्याण की हरि हरा वीरा मल्लू की मेकिंग जारी

तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण की आने वाली फिल्म हरि हरा वीरा मल्लू ट्रैक पर है। पहले यह खबर सामने आई थी कि फिल्म अब नहीं बन सकेगी, लेकिन बाद में फिल्म निर्माता ने खुद सामने आकर सभी संशय को खत्म करते हुए स्पष्ट कर दिया कि फिल्म का बनना जारी है।

वहीं, पवन भी जल्द ही फिल्म बनने की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। फिलहाल, वो आंध्र प्रदेश चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। जैसे ही उनकी व्यस्तता पर विराम लगेगा तो फिल्म निर्माण को नई गति मिलेगी।

फिल्म निर्माता एएम रत्नम ने एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करने के क्रम में फिल्म से संबंधित सभी अफवाहों का खंडन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा कि, हरि हरा वीरा मल्लू से उन्हें सिर्फ तेलुगु राज्यों में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में एक पावरस्टार के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने हाल ही में फिल्म के लिए कुछ दृश्यों की शूटिंग की और चुनाव के बाद फिर से शूटिंग शुरू करेंगे। अगर मैं पैसा कमाना चाहता तो मैं उनसे कुछ ही दिनों में फिल्म पूरी करने का आग्रह करता। फिल्म 17वीं सदी पर आधारित है और इस तरह की फिल्मों में समय लगता है।

फिल्म में निधि अग्रवाल और बॉबी देओल भी हैं, जो पिछले साल दिसंबर में एनिमल की रिलीज के बाद से सुर्खियों में हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने हाल ही में देखा कि एक विशेष वेबसाइट ने दावा किया है कि फिल्म को बंद कर दिया गया है। अगर मैंने जवाब दिया होता, तो यह एक मुद्दा होता। इसलिए, मैंने बस यह बताया कि फिल्म के लिए वीएफएक्स का काम ईरान, बेंगलुरु, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर हो रहा है। सिर्फ भाग एक ही नहीं, हमारे पास हरि हरा वीरा मल्लू का भाग 2 भी है।

रेड सैटिन ड्रेस में बेहद खूबसूरत दिखीं अभिनेत्री रुबीना दिलायक

टीवी टाउन में नई मां रुबीना दिलायक ने हाल ही में एक फोटोशूट करवाया है। उन?होंने अपनी यह फोटो अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है।

छोटी बहू में अपने काम के लिए मशहूर एक?ट्रेस सोशल मीडिया पर ज?यादातर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। उन?होंने इसमें लाल सैटिन बॉडीसूट पहना हुआ है।उन?होंने इसमें मेकअप लुक को चुना।

रुबीना ने अपने बालों को सॉफ्ट वेव्स में स्टाइल किया है। एक्सेसरीज के लिए उन्होंने हरे लॉकेट के साथ चेन और मैचिंग ईयररिंग्स को चुना। फुटवियर में उन्होंने सिल्वर हील्स पहनी थीं।

रुबीना ने अपने इस फोटोशूट में एक से बढ?र एक पोज दिए हैं, जिन्हें देख कोई भी उन पर फिदा हो सकता है.

बता दें कि रुबीना इन दिनों अपनी जुड़वा बेटियों इधा और जीवा के साथ टाइम स्पेंड कर रही हैं. साथ ही वो अपने व्लॉग के जरिए फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं.

रुबीना बेटियों के जन्म के बाद से ही टीवी से दूर हैं. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपनी लाइफ अपडेट शेयर करती रहती हैं.

कमेंट सेक्शन रुबीना के लुक और आउटफिट की सराहना से भरा हुआ था।

एक यूजर ने कहा, वाह हॉट रेड।

इससे पहले सोमवार को रुबिना ने गोवा में अपने फैमिली वेकेशन की झलक भी दी थी।

हाल ही में जुड़वां बेटियों जीवा और एधा के माता-पिता बने रूबीना और अभिनव इन दिनों गोवा में खूबसूरत जगहों का आनंद ले रहे हैं।

रुबीना को पिछली बार झलक दिखला जा-10 में देखा गया था, जबकि अभिनव को खतरों के खिलाड़ी 11 में देखा गया था। (आरएनएस)

महारानी 3 में मेरा किरदार शांत लेकिन चुनौतीपूर्ण है : अनुजा साठे

एक्ट्रेस अनुजा साठे स्ट्रीमिंग राजनीतिक ड्रामा शो महारानी के अपकमिंग तीसरे सीजन की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। एक्ट्रेस ने शेयर किया है कि शो में कीर्ति सिंह का उनका किरदार चुनौतीपूर्ण है।

एक्ट्रेस ने कहा कि शुरुआत में उनके लिए बिहारी लहजा बोलना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन उनके डायलेक्ट कोच ने उन्हें भाषा की बारीकियों और उच्चारण में मदद की।

इस पर विस्तार से बताते हुए, अनुजा ने कहा, कीर्ति का किरदार शांत लेकिन संतुलित व्यक्ति के जैसा है, जबकि मैं व्यक्तिगत रूप से एक ऐसी व्यक्ति हूं जो सीधी-सादी है और अपने मन की बात खुलकर कहना पसंद करती है। यह काफी विरोधाभासी किरदार रहा है, मुझे खुशी है कि मैंने इस चुनौती को चुना। सुभाष सर के मार्गदर्शन से, मैं कीर्ति के किरदार को जीवंत बनाने में कामयाब रही। हालांकि, मैं अपने डायलेक्ट कोच को भी श्रेय देना चाहूंगी, जिन्होंने मुझे बिहारी लहजा सीखने में मदद की, जो शुरू में मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, कीर्ति की यात्रा के बारे में दिलचस्प बात यह है कि वह अच्छे और बुरे के बीच की रेखा को कैसे पार करती है। न तो वह नायक है और न ही खलनायक, वह दोनों का मिश्रण है, जो उसके किरदार को और भी ज्यादा आकर्षक बनाता है। कीर्ति की कहानी को जीवंत करना चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद दोनों रहा है, और मैं हमारी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

महारानी नरेन कुमार और डिंपल खरबंदा द्वारा निर्मित, सुभाष कपूर द्वारा रचित और सौरभ भावे द्वारा निर्देशित है।

सीरीज में हुमा कुरेशी मुख्य भूमिका में हैं, अमित सियाल, विनीत कुमार, प्रमोद पाठक, कानी कुसरुति, अनुजा साठे, सुशील पांडे, दिब्येंदु भट्टाचार्य और सोहम शाह भी लीड रोल में हैं।

महारानी 3 7 मार्च से सोनी लिव पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध होगी।

मैदान में डटी निक्की हैली को सलाम!

श्रुति व्यास

पिछले लेख में मैंने लिखा था कि अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी के मुकाबलों में डोनाल्ड ट्रंप हार नहीं सकते। लेकिन बावजूद इसके यह ज़रूरी नहीं कि अपराजेय व्यक्ति के सामने हथियार डाल ही दिए जाएं।

इसलिए उनकी विरोधी निक्की हैली अंतिम क्षण तक ट्रंप से मुकाबला करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। वे मानती हैं कि उन्हें तब तक हार स्वीकार नहीं करनी है जब तक अंतिम मैच का परिणाम घोषित नहीं हो जाता। संशय और निराशा जिन लोगों का मूलभाव है, वे मानते हैं कि हैली एक हारा हुआ मैच खेल रही हैं। वे ट्रंप से मीलों पीछे हैं और उनके गृह राज्य साउथ केरोलाईना में उनकी करारी हार के बाद उन्हें चंदा देने वाले लगभग गायब हो गए हैं। पर हर हार, हर प्रहार उन्हें और मजबूती दे रहा है। वे मैदान छोड?र भागने वालों में से नहीं हैं। और यही कारण है कि अंतिम क्षण तक उम्मीद का दामन न छोडने़ वाले ट्रंप-विरोधियों के लिए और सुशिक्षित खांटी रिपब्लिकनों के लिए वे अब भी आशा की किरण हैं। वे लोग अब भी आशान्वित हैं। और हैली भी। साउथ केरोलाईना में उनकी हार के बाद उन्होंने एक तार्किक तर्क प्रस्तुत किया- 卐हमें साउथ केरोलाईना में 40 फीसद वोट मिले हैं। न्यू हैम्पशायर में भी हमें करीब-करीब इतने ही वोट मिले थे। मैं अकाउंटेंट हूँ और जानती हूँ कि 40 फीसद, 50 फीसद नहीं होते। मगर मैं यह भी जानती हूँ कि 40 फीसद बहुत कम भी नहीं होते।卐

हैली एक मंझी हुई राजनेता हैं। वे जो कहतीं हैं वह लोगों को वाजिब लगता हैट्रंप के तीखे हमलों और ट्रंप-समर्थकों द्वारा उनकी सभाओं में उन्हें हूट करने के बावजूद वे पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। उन्हें अपने तर्कों और विचारों की सत्यता पर पूरा भरोसा है।

ट्रंप-युग की शुरुआत के बाद से अमेरिका में वोट देने के आधार बदल गए हैं। मतदाता एक गढ़े गए राजनैतिक नैरेटिव की गिरफ्त में हैं और पूरी तरह ध्रुवीकृत हो चुके हैंट्रंप को श्रमिक वर्ग के अशिक्षित पुरुषों और महिलाओं का पूरा समर्थन हासिल है। अमेरिकी मीडिया कहता है कि यह वर्ग, कुल मतदाताओं का करीब चौथाई हिस्सा है और ट्रंप-युग के अविर्भाव से पहले वह वोट ही नहीं देता था। अब समय बदल गया है और जाहिर है कि इसके सबसे बड़े लाभार्थी ट्रंप हैं।

मगर हैली इस स्थिति से कतई घबराई हुईं नहीं हैं - या कम से कम ऐसे लगता तो है। अब तक जितने भी राज्यों में चुनाव हुए हैं, उनमें से एक में भी वे जीत हासिल नहीं कर सकीं हैं। इसका मतलब यह है कि प्राइमरीज में उनकी विजय की कोई सम्भावना नहीं है। मुकाबला बहुत कड़ा, बल्कि एकतरफा है, मगर हैली मजबूती से जमी हुई हैं। उन्हें किस चीज़ से ताकत मिल रही है? वे मैदान छोडने़ के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? ऐसी रेस में दौड़ते रहने का क्या अर्थ है जिसमें आपकी हार तय हो? अगर ट्रंप की जीत सुनिश्चित है, तो लड़ते रहने का क्या मतलब है?

निक्की हैली, पार्टी के रीगन युग की आखिरी प्रतिनिधि हैं। और वे यह जानती हैं। वे नहीं चाहती कि यह ग्रैंड ओल्ड पार्टी ट्रंप जैसे लफ्फाजों के सामने घुटने टेक दे। उनकी सोच ट्रंप के ठीक उलट है। वे चाहती हैं कि अमेरिका की वैश्विक मामलों में दखल हो, वे मुक्त व्यापार की हामी हैं और उनका विचार है कि आम लोगों की रोजाना की ज़िन्दगी में सरकार का कम से कम हस्तक्षेप होना चाहिए। वे मानती हैं कि अमेरिका अब भी एक महान और भला देश है।

इसके विपरीत, ट्रंप आज के अमरीका पर हमलावर हैं और मानते हैं कि वे अमरीका के मुक्तिदाता, उसके मसीहा है। पिछले हफ्ते के अंत में अपने सार्वजनिक भाषणों में हैली ने जोर देकर कहा कि रूस अपने साम्राज्य का विस्तार करता चाहता है और पहले से कहीं अधिक खतरनाक बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरीकियों को नाटो की उपयोगिता पर संदेह हैं। वे यह भी मानती हैं कि नेताओं की भाषा और लहजा संयत होना चाहिए। फोर्ट मिल में बोलते हुए उन्होंने कहा हमें ऐसे हालात नहीं बनने देने चाहिए जिनमें हम किसी व्यक्ति से सिर्फ इसलिए नफरत करें क्योंकि उसके राजनैतिक विचार हमसे अलग हैं।

हमें अपने देश में बढ़ते गुस्से और अलगाव को कम करना है। यह ठीक नहीं है, कम से कम युवाओं के लिए तो बिलकुल भी नहीं। उन्हें ऐसा नहीं बनना चाहिए। यह शुभ नहीं है।卐 उन्होंने घरों पर मालिकाना हक़, नौकरियों, क? और युद्ध भड?ने की आशंका जैसे मसलों पर चर्चा की। इन मुद्दों को देखिये और हैली के विचारों को समझिये तो आपको लगेगा कि घुटने न टेकने का उनका निर्णय सही है। हैली को यह भी लग रहा है कि शायद - हालाँकि ऐसा होने की सम्भावना बहुत कम है - ट्रंप को उनके खिलाफ चल रहे मुकदमों की वजह से चुनाव लडने़ के लिए अपात्र घोषित कर दिया जाए। इसलिए हैली को लगता है कि जब तक संभव हो तब तक दौड़ में बने रहना उनका कर्तव्य है।

ऐसे सर्वेक्षण भी हुए हैं जिनमें मतदाताओं से यह पूछा गया कि अगर राष्ट्रपति चुनाव बाइडन बनाम हैली होते हैं तो वे किसे पसंद करेंगे और अगर उन्हें बाइडन और ट्रंप में से एक को चुनना हो तो वे किसे चुनेंगे। ऐसे सर्वेक्षणों में वे ट्रंप से आगे रही हैं। कुछ सर्वेक्षणों के अनुसार तो वे ट्रंप के मुकाबले 16 प्रतिशत आगे हैं।

बहरहाल, निक्की हैली का मैदान में जमे रहना अपने आप में सफलता है। इस तथ्य के बावजूद कि उनके ट्रंप हो हराने की सम्भावना शून्य है, वे मतदाताओं पर अच्छा प्रभाव छोड़ रही हैं। और हो सकता है कि 2028 के चुनाव में वे सबसे आगे हों। मगर अब के लिए तो इस रीगन-समर्थक को सलाम। और वह इसलिए क्योंकि उन्होंने ट्रंप को देश को बर्बाद करने से रोकने की जीतोड़ कोशिश तो की। हैली को इसके लिए याद रखा जाएगा।

सू- दोकू क्र. 93

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.92 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

किसान असंतोष की जड़ें

कृषि निर्भर परिवारों का आम उपभोग खर्च औसत ग्रमीण उपभोग खर्च से नीचे चला गया है। 2022-23 की इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में औसत घरेलू उपभोग खर्च 3,773 रुपये रहा। लेकिन कृषि निर्भर परिवारों का औसत खर्च 3,702 रुपये ही था। देश के किसान फिर आंदोलन की राह पर हैं। उनकी प्रमुख मांग है फसलों पर स्वामीनाथन फॉर्मूले के मुताबिक एमएसपी की कानूनी गारंटी और संपूर्ण ऋण माफी। इन मांगों को पूरा कराने के लिए कृषक समाज में जान बाजी पर लगा देने की भावना पैदा हुई है। इसकी वजह समझनी हो, तो ताजा जारी घरेलू उपभोग खर्च सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर गौर करना उपयोगी होगा। इस रिपोर्ट से सामने आया है कि कृषि निर्भर परिवारों का आम उपभोग खर्च औसत ग्रमीण उपभोग खर्च से नीचे चला गया है। 2022-23 की इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में औसत घरेलू उपभोग खर्च 3,773 रुपये रहा। लेकिन कृषि निर्भर परिवारों का औसत खर्च 3,702 रुपये ही था। इसके पहले हुए हर घरेलू उपभोग खर्च सर्वे में कृषि आधारित परिवारों का औसत व्यय अन्य ग्रामीण परिवारों से अधिक रहा था। कृषि आधारित परिवारों में वे दिहाड़ी मजदूर और अन्य खेतिहर मजदूर भी शामिल हैं, जिनकी आमदनी का कोई अन्य स्रोत नहीं है। इस नई सूरत की वजह क्या है, यह जानना महत्त्वपूर्ण होगा।

फिलहाल चूंकि इस संबंध में ठोस सूचनाएं उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इसके बारे में अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। संभव है कि इसका एक कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में दूसरे कारोबारों का बढना़ हो। मसलन, पशुपालन या बागवानी जैसे धंधों में खेती से ज्यादा मुनाफा हो रहा हो। या फिर यह वजह हो सकती है कि कोरोना महामारी के दौरान शहरों से गांव लौटे मजदूरों में से अनेक वहीं रह गए हैं, जिससे श्रमिकों की अधिकता के कारण उनकी मजदूरी घट गई हो। लेकिन कुल मिलाकर यह तस्वीर तो उभरती ही है कि खेती लगातार गैर-लाभकारी होती जा रही है। इसका बड़ा कारण लागत में लगातार बढ़ोतरी और फसल की कीमत में भारी उतार-चढ़ाव रहे हैं। इस पर भी जरूर गौर किया जाना चाहिए कि कृषि में सार्वजनिक पूंजीगत निवेश स्थिर बना हुआ है, जबकि जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का अनिश्चय बढ़ गया है। इन कारणों से खेती अधिक जोखिम भारी पेशा बन गई है। ऐसे में किसानों और कृषि निर्भर अन्य तबकों में असंतोष पैदा होना एक स्वाभाविक घटना मानी जाएगी।

बड़े मियां छोटे मियां: सोनाक्षी संग झूमते नजर आए अक्षय-टाइगर

बॉलीवुड एक्टर्स अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की आने वाली फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का दूसरा गाना मस्त मलंग झूम अब रिलीज हो गया है. यह फुट-टैपिंग और कैची नंबर में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ थिरकते नजर आ रह हैं. इस गाने को अरिजीत सिंह, विशाल मिश्रा और निखिता गांधी ने अपनी आवाज दी है जिससे गाना और भी अच्छा लग रहा है. इस गाने को विशाल मिश्रा ने कंपोज किया है, जबकि इरशाद कामिल ने इसके बोल लिखे हैं। इस गाने को अक्षय कुमार ने शेयर किया है.

काफी दिनों से अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के गानों का फैंस को इंतजार था जो अब लगभग पूरा होने वाला है. क्योंकि ईद अप्रैल 2024 को ये फिल्म रिलीज होगी. फिल्म देखने से पहले आपको इस फिल्म का गाना देखना चाहिए जो काफी मस्तीभरा है.

मस्त मलंग झूम गाना बड़े मियां छोटे मियां के साउंडट्रैक के अलावा एक और फुट-टैपिंग का एडिशन है. इस गाने को दो लीड्स के बीच की एनर्जी और केमिस्ट्री को बेहतरीन दिखाता है. अक्षय ने इसे शेयर करते हुए लिखा, मस्त एनर्जी, बीट्स-मलंग, ग्रूव-झूम. ये टाइम है मस्त मलंग झूम के बीट पर डांस करने का. बड़े मियां छोटे मियां ईद पर रिलीज होगी.

इस गाने में जहां आप टाइगर श्रॉफ का एनर्जी लेवल काफी अलग देखेंगे वहीं अक्षय कुमार भी अपने यंग को-स्टार को एनरजेटिक स्टेप्स दिखाते नजर आ रहे हैं। इस गाने में आप अक्षय-टाइगर का ब्रोमांस भी देख सकते हैं. बहुत जल्द फैंस की जुबां पर ये गाना चढ़ सकता है और लोगों को इसके कैची मूव्स दीवाना बना सकता है।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कमाई तीसरे सप्ताह में भी जारी

अमित जोशी और आराधना शाह के निर्देशन में बनी फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कहानी रोबोट और इंसान की प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। फिल्म में शाहिद कपूर ने आर्यन नाम के इंसान तो कृति सैनन सिफरा नाम की एक रोबोट बनी हैं। हालांकि, लोगों को यह कहानी कुछ रास नहीं आई। पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। अब इसका दैनिक कारोबार लाखों में सिमट चुका है।

अब तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की कमाई के 19वें दिन के आंकड़े सामने आए हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे गुरुवार 75 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 75.40 करोड़ रुपये हो गया है।दुनियाभर में यह फिल्म अभी तक 129.13 करोड़ रुपये कमा चुकी है।टिकट खिडकी पर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया का सामना क्रैक, फाइटर और आर्टिकल 370 से हो रहा है।

लूट का खुलासा कर दो लोगों को किया गिरफ्तार, सामान बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने लूट का खुलासा करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट का सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस आदित्य गैरोला द्वारा सूचना दी की दो व्यक्ति गणेश विहार कुकरेजा कुंज के पास से उससे मोबाइल व पर्स लूटकर फरार हो गए थे जिसमे उसका आधार कार्ड व 700 रूपये थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। तत्काल थाना नेहरु कॉलोनी पर टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरो का अवलोकन करते हुये आरोपियों के सम्बन्ध में जानकारी एकत्रित की गयी तथा आज मिली सूचना पर घटना में शामिल दोनों आरोपियों को अजबपुर फ्लाईओवर के नीचे से गिरफ्तार किया गया, उनके कब्जे से घटना में लूटा गया मोबाइल व पर्स बरामद किया गया। गिरफ्तार दोनो शातिर किस्म के अपराधी है, जो पूर्व में एनडीपीएस एक्ट, चोरी तथा मारपीट की घटनाओ में जेल जा चुके है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम मौहम्मद जावेद उर्फ सोनू पुत्र इरफान निवासी अजबपुर कला मस्जिद वाली गली थाना नेहरू कॉलोनी, शौकीन पुत्र मोहम्मद रफीक निवासी अजबपुर कल मस्जिद वाली गली, थाना नेहरू कॉलोनी बताया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जेठ-जेठानी सहित छह लोगों पर मारपीट के आरोप में मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। जेठ-जेठानी सहित छह लोगों पर मारपीट कर घर से सामान चोरी करने का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय पार्क एक्टेंशन निवासी जयंती सिंह ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका जेठ नीरज सिंह, जेठानी दिव्या सिंह, चंद्रकांता, राधिका, कामवाली राधिका व चुन्नी लाल उसके घर में घुस आये और उसके साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट करनी शुरू कर दी। उसने जब शोर मचाया तो वह उसके घर से सामान चोरी करके वहां से भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑटोमोबाइल्स कम्पनी के कार्यालय से एक लाख रुपये चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने ऑटोमोबाइल्स कम्पनी के कार्यालय से एक लाख रूपये चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर रोड स्थित ऑटोमोबाइल्स कम्पनी के अरूण उनियाल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपने कार्यालय की अलमारी में एक लाख रूपये रखे थे लेकिन जब आज उसने अलमारी खोलकर देखा तो उसमें से रूपये गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से लगे कूड़े... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

गए हैं। जीना जिस तरह का व्यवहार इसमें करते दिख रहे हैं उसे लेकर प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का कहना है कि किसी भी जनप्रतिनिधि को सवाल करने का अधिकार है लेकिन इस तरह की अभद्रता करने का अधिकार कतई भी नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने महानगर अध्यक्ष से इस मामले की जांच करने को कहा है तथा वह खुद भी महेश जीना से इस बाबत पूछताछ करेंगे। चुनावी दौर में किसी भी भाजपा नेता द्वारा किए जाने वाला इस तरह का व्यवहार पार्टी की छवि को तो खराब करेगा ही साथ ही जनता में इसका गलत संदेश भी जाएगा, अब भाजपा संगठन इस बात को लेकर परेशान भी है। देखना होगा कि पार्टी जीना के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है।

पाखरो सफारी घोटाले पर सुप्रीम कोर्ट... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि उसकी जांच जिस गति से चल रही है वह संतोषजनक नहीं है। अदालत ने 3 महीने के अंदर इस मामले की स्टेटस रिपोर्ट देने को कहा गया है। साथ ही इस मामले के प्रमुख आरोपी पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत और तत्कालीन डीएफओ किशन चंद्र के दुस्साहस पर हैरानी जताते हुए कहा गया है कि कोई भला इस तरह का दुस्साहस कैसे कर सकता है। उल्लेखनीय है कि अदालत द्वारा किशन चंद जिनके खिलाफ पहले से ही कई मामले जांच के दायरे में थे तथा सात कमेटियों द्वारा जिनका किसी भी महत्व के पद पर तैनात न करने की सलाह दी गई थी उनकी तैनाती कॉर्बेट पार्क में डीएफओ जैसे महत्वपूर्ण पद पर कैसे हो गई इस पर भी सवाल उठाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के सख्त रूख और ईडी द्वारा की जा रही कार्रवाई के जाल में फंसे हरक सिंह पर अब कानून का शिकंजा कसता जा रहा है।

पुलिस प्रशासन संविधान और कानून के अनुसार काम नहीं कर रहा है: बिष्ट

संवाददाता

देहरादून। इंडिया एलाइंस एवं सिविल सोसाइटी के प्रतिधिमंडल ने मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी व डीजीपी अभिनव कुमार से भेंट करते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन संविधान और कानून के अनुसार काम नही कर रहा है।

आज यहां इंडिया एलाइंस एवं सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी व पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार से भेंट की। इस दौरान इंडिया एलाइंस के संयोजक शीशपाल सिंह बिष्ट ने कहा कि अंकिता भंडारी का प्रकरण को प्रमुखता से उठाने वाले आशुतोष नेगी को गिरफ्तार करना, हल्द्वानी में अराजक तत्वों द्वारा अल्पसंख्यक लोगों की दुकानों को जबरन बंद कराना एंव कानूनी प्रक्रिया की ध ज्जिया उड़ा कर मनमाने तरीकों से लोगों को बेदखल करना और भय का माहौल बनाकर हल्द्वानी के वनभूलपुरा क्षेत्र और उसके आसपास घरों में घुस कर लोगों की सम्पतियों पर तोड़ फोड़ करने और महिलाओं और बच्चों के साथ मार पीट करने की खबरों और इस प्रकार की अन्य घटनाओं को बेहद चिंताजनक बताया हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से कहा की ऐसे लग रहा है कि जो सत्ता पक्ष और सरकार के करीब हैं, उनको अपराध करने के लिए खुली छूट दी जा रही है, और जो संवैधानिक अधिकार के तहत सरकार से सवाल पूछ रहे हैं, उन पर पुलिस प्रशासन द्वारा दमनात्मक कारवाई की जा रही है। इसलिए प्रतिनिधि मंडल ने मांग उठायी कि किसी भी अपराध और खास तौर पर महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार के अत्याचार की जानकारी मिलने पर पुलिस तुरंत कारवाई करे, और ष्हमारे पास शिकायत नहीं आयी हैष्, यह गैर कानूनी तर्क जनता को न दिया जाये; किसी भी प्रकार की कानूनी कारवाई और गिरफ्तारी उच्चतम न्यायलय और कानून के प्रावधानों के अनुसार ही हो। प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करते हुए राज्य के मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि उठाए गए बिंदुओं पर विचार एवं जांच कर प्रशासन निश्चित रूप से निष्पक्ष कार्रवाई करेगा और किसी भी तरीके से कानून के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं होने दी जाएगी. पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कहा कि अगर पुलिस की कारवाई में कहीं कमियां हैं, तो उनको सुधारा जाएगा। पुलिस प्रशासन निष्ठा का ध्यान रखेगा और किसी भी निर्दोष को प्रताड़ित न किया जायेगा और लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास पैदा हो ऐसा माहौल तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रतिनिधि मंडल में इंडिया गठबंधन और सिविल सोसाइटी के संयोजक शीशपाल सिंह बिष्ट, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ सचान, आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेत्री उमा सिसोदिया, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव राजेंद्र नेगी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेशनल कौंसिल सदस्य समर भंडारी, आल इंडिया किसान सभा के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सजवाण, उत्तराखंड महिला मंच के कमला पंत और निर्मला बिष्ट, उत्तराखंड इंसानियत मंच के त्रिलोचन भट्ट और चेतना आंदोलन के शंकर गोपाल शामिल रहे।

दो अंतर्राष्ट्रीय नशा तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में चरस बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एएनटीएफ टीम द्वारा दो अंतर्राष्ट्रीय नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके कब्जे से नेपाल से लायी गयी एक किलो 909 ग्राम चरस भी बरामद हुई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि आज सुबह एसटीएफ की ए.एन.टी.एफ टीम(एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) टीम को सूचना मिली कि उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में कुछ अंर्तराष्ट्रीय नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एएनटीएफ टीम द्वारा बताये गये स्थान किच्छा क्षेत्रांतर्गत शनि देव मंदिर के पास किच्छा बायपास रोड पर घेराबंदी करते हुए दो अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 1 किलो 909 ग्राम अवैध चरस बरामद की गयी। पूछताछ में उन्होने अपना नाम पदम बोहरा पुत्र स्वर्गीय धनमल बोहरा निवासी रीठापाता, थाना चौनपुर, जिला बजांग, नेपाल व नारायण सिंह बिष्ट पुत्र रुकुम सिंह निवासी इंदिरा नगर बिंदुखत्ता, थाना लाल कुआं जनपद नैनीताल बताया। बताया कि वह पिछले कई सालों से उत्तराखंड में चरस की सप्लाई कर रहे थे। बताया कि वह यह चरस नेपाल से खरीद कर काठगोदाम/ हल्द्वानी/ लालकुआं / किच्छा आदि मैदानी क्षेत्र में बेचने जा रहा थे। आरोपी नारायण सिंह द्वारा बताया गया कि वह पूर्व में भी थाना लालकुआं से चरस में जेल जा चुका है तथा आरोपी पदम बोरा ने भी बताया कि वह भी नेपाल से चरस में जेल जा चुका है।

एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा बताया गया कि ए.एन.टी.एफ. द्वारा गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ थाना किच्छा जनपद उधम सिंह नगर में एनडीपीएस की समुचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिन्हे जेल भेज दिया गया है।

लूट की झूठी सूचना पर पुलिस ने किया दो लोगों का चालान

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कमेटी का पैसा सट्टे में हार जाने पर दो लोगों ने लूट की झूठी सूचना पुलिस को दी। जांच में मामला झूठा पाये जाने पर पुलिस ने दोनो लोगों का पुलिस एक्ट में चालान कर दिया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज 112 के माध्यम से संजय निवासी ताशीपुर द्वारा सूचना दी गई कि 11 बजे के आस-पास ताशीपुर रोड में किन्ही अज्ञात बाइक सवार दो बदमाशों ने उसके सिर पर डंडे से वार किया गया और 22 हजार रूपये लूट लिए गये। बताया कि डंडे के वार के कारण वह अपनी बाइक सहित खेत के किनारे गिर गया और बेहोश हो गया। जब वह होश में आया तो उसने खुद को भार्गव अस्पताल रुड़की में पाया और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक मंगलौर अमरचंद शर्मा पुलिस बल के साथ पूछताछ के लिए शिकायतकर्ता

संजय के घर पहुंचे और घटनास्थल की जांच पड़ताल की गई तो प्रकरण संदिग्ध प्रतीत हुआ।

मामले में शक की एक वजह ये भी थी कि घर पर रोजमर्रा की तरह साधारण माहौल था। मौके के गवाहों और शिकायतकर्ता को अस्पताल ले जाने वाले लोगों के साथ-साथ शिकायतकर्ता को गहन पूछताछ हेतु थाने लाया गया। काफी देर पूछताछ करने से यह बात निकल कर सामने आई के संजय और अस्पताल ले जाने वाले उसके दोस्त अर्चित ने लूट की झूठी सूचना देने का प्लान बनाया क्योंकि जो पैसे कमेटी से एकत्र करके बैंक में जमा करने के लिए ले जाने थे उसमें से आधे पैसे संजय एक दो दिन पूर्व सट्टे में गंवा चुका था। झूठी सूचना देने का उद्देश्य यही था कि भावना में बहकर संजय की मां वह रुपए जमा कर दे। पूरा घटनाक्रम सामने आने पर झूठी सूचना देने वालों के दोनों लड़कों का 81 पुलिस एक्ट में चालान किया गया।

एक नजर

कोर्ट ने मौलाना तौकीर रजा को माना बरेली दंगों का मास्टरमाइंड, जारी किया समन

लखनऊ। मौलाना तौकीर रजा को कोर्ट ने 2010 में हुए दंगे का मास्टरमाइंड माना है। बरेली के प्रेमनगर थाना क्षेत्र में 2010 में दंगे हुए थे, जिसमें एफआईआर दर्ज हुई थी। लगातार चल रही सुनवाई के बाद कोर्ट ने तौकीर रजा को मुख्य आरोपी माना है। कोर्ट ने तौकीर रजा के खिलाफ समन जारी किया है और उन्हें 11 मार्च को पेश होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने एडीजी, आईजी, एसएसपी, कमिश्नर और डीएम के खिलाफ भी टिप्पणी की है। कोर्ट ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी आदेश की कॉपी भेजी है। मार्च 2010 में तौकीर रजा के भड़काऊ भाषण के बाद दंगा हुआ था। दंगे के दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सैकड़ों दुकानों, पुलिस चौकी, पेट्रोल पंप, सब्जी मंडी को आग के हवाले कर दिया था। वहीं दंगे के

दौरान समुदाय विशेष के लोगों ने हिंदुओ के घरों में लूटपाट और आगजनी भी की थी। दरअसल, बरेली शहर को दंगे की आग में झोंकने वाले तौकीर रजा का विवादो से पुराना नाता रहा है और हमेशा भड़काऊ बयानों को लेकर वे सुर्खियों में रहते है। दंगे के बाद बरेली शहर में 27 दिन कर्फ्यू लगा रहा था। तत्कालीन बसपा सरकार के वक्त अधिकारियों की लापरवाही के चलते तौकीर रजा को छोड़ना पड़ा था। अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम रवि कुमार दिवाकर ने इस मामले में अब तौकीर रजा को मास्टरमाइंड मानते हुए 11 मार्च को पेश होने का आदेश दिया है।

पाक सुप्रीम कोर्ट ने माना पूर्व पीएम जुल्फिकार अली भुट्टो मामले में नहीं हुई निष्पक्ष सुनवाई

कराची। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा है, कि पूर्व प्रधान मंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को 1979 में सैन्य तानाशाह जनरल जिया-उल के शासन के दौरान सुप्रीम कोर्ट में निष्पक्ष सुनवाई नहीं हुई थी। पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने भुट्टो को फांसी की सजा मिलने के करीब 45 सालों के बाद कहा है, कि

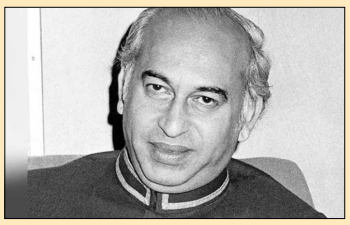

उस वक्त सुप्रीम कोर्ट की सात-न्यायाधीशों की पीठ ने भुट्टो की मौत की सजा सुनाए जाने पर निष्पक्ष सुनवाई और उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया था। मार्च 1979 में, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चार-तीन के खंडित फैसले में, पूर्व प्रधान मंत्री भुट्टो को मौत की सजा देने के लाहौर हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और जुल्फिकार अली भुट्टो को रावलपिंडी में फांसी दे दी गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने 2 अप्रैल 2011 को मौत की सजा पर फिर से विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जिसपर पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने अब अपना फैसला सुनाया है।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह अपहरण और रंगदारी मांगने के आरोप में दोषी करार

लखनऊ। जौनपुर की अपर सत्र अदालत ने बाहुबली पूर्व सांसद और जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय महासचिव धनंजय सिंह समेत दो अभियुक्तों को अपहरण और रंगदारी मांगने के मामले में मंगलवार को दोषी करार दिया। जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश पांडेय ने यहां बताया कि नमामि गंगे परियोजना के प्रबंधक मुजफ्फरनगर निवासी अभिनव सिंघल ने 10 मई, 2020 को जौनपुर के

लाइनबाजार थाने में पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके साथी विक्रम के खिलाफ अपहरण और रंगदारी मांगने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि विक्रम ने अपने दो साथियों के साथ पहले उनका अपहरण किया और फिर उन्हें पूर्व सांसद धनंजय सिंह के आवास पर ले गया। उन्होंने बताया कि सिंघल ने आरोप लगाया था कि वहां धनंजय सिंह पिस्टल लेकर आए और गालियां देते हुए धमकी देने के बाद रंगदारी मांगी। पांडेय ने बताया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद इस मामले में पूर्व सांसद धनंजय सिंह गिरफ्तार भी हुए थे। बाद में उन्होंने उच्च न्यायालय इलाहाबाद से जमानत हासिल की थी। उन्होंने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश शरद कुमार त्रिपाठी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उनके साथी संतोष विक्रम को दोषी करार दिया है। पांडेय ने कहा कि दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा दिया गया है और अदालत उन्हें बुधवार को सजा सुनायेगी। वर्तमान में जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव धनंजय ने वर्ष 2002 में पहली बार रारी विधानसभा सीट से निर्दल प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता था। वह वर्ष 2009 में बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर जौनपुर से सांसद भी रह चुके हैं।

लोगों का आवागमन सुविधाजनक हो इसके लिये निरंतर प्रयासरतः सीएम

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून से अयोध्या, अमृतसर, पंतनगर, वाराणसी के लिए हवाई सेवाओं का शुभारम्भ करते हुए कहा कि सम्पूर्ण उत्तराखंड के अंदर लोगों का आवा-गमन सुविधाजनक, सरल व आसान हो, इसके लिये हम निरंतर प्रयासरत हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जौलीग्रांट एयर पोर्ट से देहरादून-अयोध्या, देहरादून-अमृतसर, देहरादून-पंतनगर-वाराणसी के लिये एयर कनेक्टिविटी के अंतर्गत दीप प्रज्जवलित कर, केक काटकर तथा फ्लैग ऑफ कर एलाइंस एयर की उड़ानों का शुभारम्भ किया। मुख्य मंत्री ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा यह प्रयास है कि सम्पूर्ण उत्तराखंड के अंदर लोगों का आवा-गमन सुविधाजनक, सरल व आसान हो, इसके लिये हम निरंतर प्रयासरत हैं तथा देश के लोग उत्तराखण्ड के विभिन्न स्थानों में आसानी से आ जा सकें, जिसके लिये हम लगातार कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने हवाई सेवाओं का उल्लेख करते हुये कहा कि इसके पूर्व हमने देहरादून से पिथौरागढ़ तथा

पिथौरागढ़ से देहरादून के लिये एयर कनेक्टिविटी करने के साथ ही हल्द्वानी से चम्पावत, मुनस्यारी तथा पिथौरागढ़

देहरादून-अयोध्या, देहरादून-अमृतसर, देहरादून-पंतनगर-वाराणसी के लिये किया हवाई सेवाओं का शुभारम्भ

के लिये हेली सेवाओं का शुभारम्भ कर चुके हैं। उन्होंने आज प्रारम्भ हो रही उड़ानों का उल्लेख करते हुये कहा कि आज का दिन काफी शुभ है, जिसके तहत देहरादून-अयोध्या, अमृतसर, देहरादून-पंतनगर-वाराणसी के लिये हवाई सेवाओं का शुभारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिन्धिया का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने इन हवाई सेवाओं के माध्यम से अयोध्या आदि स्थानों के लिये यात्रा करने वाले यात्रियों से जयश्री राम के उद्घोष के बीच मुलाकात तथा बातचीत की और उन्हें मंगल यात्रा की शुभकामनायें दीं। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव सचिन कुर्वे, अपर सचिव सी. रवि शंकर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी यूकाडा दयानन्द सरस्वती, हरीश कोठरी सहित सम्बंधित पदाधिकारी तथा अधिकारीगण उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो जाने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक की पत्नी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मालवीय नगर निवासी संजय प्रकाश अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ जा रहा था जब वह मंसा देवी फाटक के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाईकिल को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने मृतक की पत्नी पूजा पैन्यूली की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सार्वजनिक सूचना

मेरे पिता का पासपोर्ट में नाम KUDARAT TULA अंकित है जो कि गलत है जबकि मेरे पिता का सही नाम QUDRAT UL LLAH है जो कि मेरे आधार कार्ड में अंकित है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति यानि मेरे पिता के नाम ही है। न्यायहित में आवश्यक होगा कि मेरे पासपोर्ट में मेरे पिता का नाम KUDARAT TULA के स्थान पर QUDRAT UL LLAH अंकित किया जाये।

फरीद खान FAREED KHAN
पुत्र कुदरत उल ल्लाह QUDRAT UL LLAH
निवासी तेल्लीवाला मारखमग्रान्ट
डोईवाला देहरादून उत्तराखण्ड

वाहन चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। महिन्द्रा पिकअप वाहन चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिरों को चोरी के वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली रानीपुर में आशीष ओबराय पुत्र स्व. इन्द्रकुमार निवासी गली नंम्बर 7 सुमननगर रानीपुर हरिद्वार ने सूचना दी कि 2 मार्च को उनके घर के बाहर से अज्ञात चोरों द्वारा उनका महिन्द्रा पिकअप वाहन चोरी कर लिया गया है। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा देर रात एक सूचना के आधार पर तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से चुराया गया वाहन बरामद किया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम गुरूसेवक उर्फ राजा पुत्र शमशेर निवासी ग्रीन वैली सुमननगर रानीपुर हरिद्वार, लक्ष्मण सैनी उर्फ भगवान पुत्र मैनेसर, मनोज नेगी पुत्र अर्जुन सिंह नेगी निवासी सलेमपुर महदूद थाना रानीपुर हरिद्वार बताया।

पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

घर के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार केहरी गांव निवासी भगवान दास ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी स्कूटी घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।